



7.9.2023

HAU awarded for research on mustard

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) has been conferred with the best centre award for its contribution in mustard research and development. HAU vice-chancellor B R Kamboj said the award was presented by Sanjeev Kumar Gupta, assistant director general (oilseeds and pulses), Indian Council of Agricultural Research (ICAR), during the annual meeting of the All India Raya and Mustard Research Workers in Jammu.

The VC said the team of oilseeds scientists of the university had recently developed two new improved varieties of mustard - RH 1424 and RH 1706. Both varieties are high yielding and rich in oil content and will be helpful in increasing oilseeds productivity, he said. **TNN**



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी2 मृम	७. ९. २३	१	३-४

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किसिंग विकसित हक्की को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा

हरियाणा न्यूज़ ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया है। यह अवार्ड राज्य-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यक्रमों अंतर्गत वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

अब तक 21 किसिंग विकसित की

कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस. के. पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के



हिसार। हक्की के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ। फोटो: वरिष्ठ

वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किसिंग विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किसिंग आरएच 725 हरियाणा के अलावा

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मणि प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

कुलपति ने तिलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किसिंग विकसित की है। यहां पर तेल की मात्रा में ये दोनों किसिंग बहुत बेहतरीन हैं जो सरसों उन्नाले बाले राज्यों में तिलहन उपादकता बढ़ाने में बहुत सहायता होंगी। उन्होंने इस उपलब्धि

पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राज अवार्ड सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही, भविष्य में इसी प्रकार गृणवताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अखिल भारत विदेशीक डॉ. जीराम शर्मा ने उन्होंने जारी कि सरसों की यह बड़ी किसिंग अपक्री विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उपादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

बह रहे उपलब्धि

इस अवार्ड पर औरसड़ी डॉ. अमूल दीवाड़ा गौडिया एडवाइजर डॉ. संदीप जार्य तिलहन अनुज्ञा के अध्यक्ष डॉ. करनल पिछ सहित डॉ. श्वेता मनोक, डॉ. वरीप, डॉ. विलोद गोप्ता, डॉ. गर्का, डॉ. विशा कुमारी व डॉ. महालीर गौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
१५ अगस्त २०२३	७-९-२३	५	२-३

सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हक्की को सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड



हक्की के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर कम्बले के साथ।

जागरण संवाददाता, हिसार : राधा-सरसों की फसल की दो नई उन्नत किस्में विकसित करने पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विज्ञान कार्यालय में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्पू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन व वाल) डा. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बले ने बताया कि विवि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक उन्नत किस्में विकसित की हैं। उन्होंने तिलहन वैज्ञानिक डा. रामअवतार व उनकी टीम को बधाई दी। अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी। अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। ओपसही डा. अतुल ढोंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. करमल सिंह, डा. श्वेता मलिक, दलीप, डा. विनोद गोयल, डा. राकेश मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

अभ्युजाता

दिनांक

७.७.२३

पृष्ठ संख्या

२

कॉलम
६-८

एचएयू के सरसों अनुसंधान केंद्र को सर्वश्रेष्ठ अवॉर्ड

सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की
मार्फ़ सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवॉर्ड से नवाजा गया है। यह अवॉर्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन और दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया।

कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन हैं, जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत



एचएयू के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम के साथ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। छात्र: विवि

सरसों की अब तक 21 किस्में की विकसित

कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के भलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मणि प्रति एकड़ आमानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।

सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर

ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई तिलहन वैज्ञानिक डॉ. रम अवतार सहित किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के उनकी टीम को बधाई दी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा

ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई तिलहन वैज्ञानिक डॉ. रम अवतार सहित किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पजाइ केसरी	१०.९.२३	५	१-३



हक्कि के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

हक्कि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया

हिसार, ६ सितम्बर (ब्यू): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राया-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय राया एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ.

संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आर.एच. 1706 नामक 2 नई उन्नत किस्में विकसित की है। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन है जो सरसों उगाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार

गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के.पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आर.एच. 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार राज्यों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मणि प्रति एकड़ आसानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम
दैनिक मासिक

दिनांक
७.९.२३

पृष्ठ संख्या
6

कॉलम
• ७-९

सरसों की आरएच-1424 व आरएच-1706 किस्मों से लें अधिक पैदावार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने विकसित की नई किस्में



हक्की के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ।

भारतीय न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की आरएच-1424 व आरएच-1706 नामक दो नई उत्पत्ति किस्में विकसित की है। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में उत्तम हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि गण-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय सभा एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक तिलहन व दाल डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने अवॉर्ड प्रदान किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. स्टेक पाहुजा ने बताया कि सरसों अनुसंधान के वैज्ञानिकों की टीम अब तक राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। आरएच-725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार गज्वों में अनुसंधान कार्यक्रम चल रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजीट’ सभान्या२	७.९.२३	५	५-५



हक्की के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ।

हक्की की सर्वोत्तम अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाज़ा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने तिलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

हिसार, 6 सितंबर (विरेंद्र चर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उच्चकृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र अवार्ड से नवाज़ा गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड राष्ट्र-सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय रोपण एवं सरसों अनुसंधान कार्यकर्ताओं की वार्षिक बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के सहायक महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई ऊनत किस्में विकसित की हैं। पैदावार व तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत बेहतरीन हैं जो सरसों जाने वाले राज्यों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होंगी। ऊनेने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. गम अवतार साहित नकी टीम को बधाई दी। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार गुणवत्ताशील अनुजीवन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई कि सरसों की यह नई किस्में अपने विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक राज्यों में बहुत लोकप्रिय होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	06.09.2023	--	--

सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए हकूमि को भिला सर्वश्रेष्ठ केंद्र का अवार्ड

नम-छोर न्यूज अ 06 टिकटिकर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को सरसों अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. वी.आर. काम्होज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह अवार्ड गोदासरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा जम्म में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय एवं सरसों अनुसंधान कार्यकारीओं की वैज्ञानिक वैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक (तिलहन व दाल) डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने प्रदान किया। कूलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के तिलहन वैज्ञानिकों की टीम ने हाल ही में सरसों की आरएच 1424 व आरएच 1706 नामक दो नई उन्नत किस्में विकसित की है। पैदाचार व तेल की मात्रा में वे दोनों किस्में बहुत बेहतरीन हैं जो सरसों उगाने



वाले गज्जों में तिलहन उत्पादकता बढ़ाने में बहुत सहायक होंगी। उन्होंने इस उपलब्धि पर तिलहन वैज्ञानिक डॉ. राम अवतार सहित उनकी टीम को बधाई दी। साथ ही भौविक्य में इसी प्रकार गोदावताशील अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने उम्मीद जताई

कि सरसों की यह नई किस्में अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण सरसों उत्पादक गज्जों में बहुत लोकप्रिय होंगी।

21 किस्में की जा चुकी हैं विकसित कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस.के.गोदूजा ने बताया कि सरसों अनुभाग के वैज्ञानिकों की

टीम अब तक गोदौरीय व प्रदेश स्तर पर 21 किस्में विकसित कर चुकी है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में विकसित की गई किस्म आरएच 725 हरियाणा के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली व बिहार गज्जों में बहुत लोकप्रिय है, जिसकी किसान 25-30 मणि ग्रन्ति एकड़

आमानी से उपज प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अनुल दीवड़ा, मेडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर, तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह सहित डॉ. श्वेता मलिक, डॉ. दलीप, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. राकेश, डॉ. निशा कुमारी व डॉ. महाबीर मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	06.09.2023	--	--

हक्किवि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया

समस्त हरियाणा न्यूज 1424 व आरएच 1706 नम्बर से नई हिसार, ६ मिनिट। चौधरी चारण सिंह जल किस्में विकसित की है। ऐसका च हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की मरम्मों तेल की मात्रा में ये दोनों किस्में बहुत अनुसंधान एवं विकास कार्यों में उत्कृष्ट योगदान हैं जो मरम्मों लाने वाले ग्राम्यों योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड में लिलान उपलब्धता बढ़ाने में बहुत में नवाजा गया है। विश्वविद्यालय के सहायक होगी। उक्तोंने इस उत्कृष्टता पर कृतपीति प्रदीप थी। और काम्पोज ने यह लिलान वैज्ञानिक हॉल राम अवलोक सहित जानकारी देकर हुए बताया कि यह अवार्ड उनकी टीम को बढ़ाई दी। सब ऐसे ग्राम-मरम्मों अनुसंधान निदेशकत्व द्वारा भविष्य में इसी उपार गुणवत्ताशील जम में जायोग्नित अखिल भारतीय ग्राम अनुसंधान जारी रखने के लिए प्रेरित एवं मरम्मों अनुसंधान कार्यकारीओं को किया। अनुसंधान निदेशक हॉल के नाम वाणिज दैरेक में भाग्योत्तम कृषि अनुसंधान शम्खा ने उम्मीद जारी कि मरम्मों को यह पीरियद के महापक्ष महानीदेशक (लिलान) नई किस्में आपनी विशिष्ट विशेषताओं के बाद दाता है। संवीकृत कृषि ग्राम ने प्रदान कराए ग्राम-मरम्मों उत्कृष्टक ग्रामों में बहुत किस्में विकसित कर चुकी है। उक्तोंने नोटिफिय है, जिसकी विभाव 25-30 वर्ष का वर्ष मिह महिला हॉल बैठा मतिक बताया कि वर्ष 2018 में विकसित जी गर्ने मात्र वृत्ति एकड़ आमानों से आज ज्ञान जारी है। दीप, हॉल विनोद गोयल, हॉल किस्म आरएच 725 हरियाणा के गोरे हैं। इस अवसर पर ओपरेटर हॉल राकेश, हॉल विजया कृमांग व हॉल महावीर टोम्प ने हाल ही में मरम्मों की आरएच मरम्मों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अलावा गड़मध्यार उत्तर प्रदेश, मध्य झज्जुल झीराहा, भीड़िया एवं बहुत दूर है।



अब वह ग्राहीय व प्रदेश मात्र पर 21 प्रदेश, दिल्ली व लिलान ग्रामों में बहुत संदीप आर्य लिलान अनुभाग के अध्यक्ष है। उक्तोंने नोटिफिय है, जिसकी विभाव 25-30 वर्ष का वर्ष मिह महिला हॉल बैठा मतिक बताया कि वर्ष 2018 में विकसित जी गर्ने मात्र वृत्ति एकड़ आमानों से आज ज्ञान जारी है। दीप, हॉल विनोद गोयल, हॉल किस्म आरएच 725 हरियाणा के गोरे हैं। इस अवसर पर ओपरेटर हॉल राकेश, हॉल विजया कृमांग व हॉल महावीर टोम्प ने हाल ही में मरम्मों की आरएच मरम्मों अनुभाग के वैज्ञानिकों की टीम अलावा गड़मध्यार उत्तर प्रदेश, मध्य झज्जुल झीराहा, भीड़िया एवं बहुत दूर है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.09.2023	--	--

**हकूमि को सरसों में उत्कृष्ट अनुसंधानों के
लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से नवाजा गया**

सिद्धी पद्मा नाथ, हिंदूमा; चौलीसी वरण
मिले तरियाह कुपी विष्णवीलक्षणम् वो
मारहे अनुसंधान पर्वत विष्णव काढी मैं
इनकर लोगालू देव के रिय भवेषेष कोइ
अवाहन मैं नवाहन नया है। वह उदाहरण
सारहे अनुसंधान विष्णवीलक्षण हास नाम् मैं
आर्द्धित अधिक भावीष लुप्त एवं सम्प्रदे
अनुसंधान कार्यकारीभूती की बहुर्विक वैदिक
मैं भवीष लुप्त अनुसंधान विष्णव के
सामाजिक मानविकास (विष्णव व वास)
हीं मानवीक कथा गुण ने द्वारा विद्या।

फूलकरी ग्री. थे. अर. वामपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विज्ञान वैज्ञानिकों की टीम ने हाल से में सर्वोच्च की अवधि 1424 व अधिक 1706 वर्षों की नई उक्त विज्ञानी विज्ञानिक की है। पैदावार व केन की भवति में वे दोनों विज्ञानी वहाँ बैठते हैं और भासी उपरोक्त विज्ञान उत्तराधिकार विभाग में बहुत सहायता होती है। उन्होंने इस उत्तराधिकार पर विज्ञान वैज्ञानिक ग्रंथ अधिकार महिला उत्तराधिकारी



जाहीर के लिए यह विकास की दैन मुद्राएँ हो जी और व्यवसाय के साथ।

राम की अपनी दृष्टि

अनुसंधान विभाग द्वारा, जीवविज्ञान एवं वैज्ञानिक समूहों के साथ ही यह नई क्रियान्वयन विभाग विशेषज्ञताएँ के बहावल मरमदी उपलब्ध गर्नुपर्ने अनुसंधानकारीहोनी। कृपया

महाराष्ट्रातील के अधिकारी डॉ. शंकर के प्रतीकृत ने घटाया कि सत्त्वी अनुभव के विवरणीकों की टीम जब तक कठोर व चुंबकीय सत्त्व या 21 विद्यमान विवरणों का बदला है। इसकी घटाया कि वर्ष 2010 में विवरण



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

सम्पर्क पत्र का नाम
२०२३ मास्टर

दिनांक
१.९.२३

पृष्ठ संख्या
६

कॉलम
१-६

**मासिक खबार • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने कपास की फसल के बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की
कपास की फसल के 20 प्रतिशत टिंडों में सुंडी मिलने पर कीटनाशक का छिड़काव करें**

करमल सिंह | हिसार

कपास की फसल पर इस समय फसल बोने व टिंड आते हैं। नरसमा की फसल में सितम्बर में गुलाबी सुंडी का प्रकोप होता है। सपाह में दो बार 100 फूलों का निरीक्षण जरूर करें। यदि ५ से 10 फूल गुलाबी सुंडी से अस्तित्व मिलते हैं तो 20 टिंडों में १ से २ में गुलाबी सुंडी मिलती है तो कीटनाशक के 2-3 छिड़काव लगातार करें। चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज ने बताया कि देशी कपास में इस माह चित्तीदार सुंडी का प्रकोप होता है। नरसमा में सफेद मक्की व हरे तेला का भी प्रकोप होता है, इसलिये इसकी निपारानी करें। सफेद मक्की के व्यस्क एवं हरा तेला के शिशु को गिनती करें। प्रति पत्ता और सत निकलने लें।

**प्रोफेनोफोस का
छिड़काव करें**

डा. जीतसम सर्मा ने बताया कि गुलाबी सुंडी की निपारानी के लिए 2 केरोलोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमें उपर्युक्त वाले गुलाबी सुंडी के पत्तों का 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें। मध्य अगस्त से अक्टूबर तक इनमें कुल 24 घण्टे प्रति ट्रैप तीन रातों में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव को जरूरी है।

90-120 दिनों की फसल में सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5-10 % होने पर एक छिड़काव प्रोफेनोफोस (ब्युराक्लोन, सेल्कोन, कैरिना) 50 ईंव्ही की 800 मिली. मात्रा को 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से एक छिड़काव करें। डा. अनिल जाल्हाड ने बताया कि सफेद मक्की का ज्यादा प्रकोप होने पर इसके प्रबंधन के लिए पार्सीफोर्मिसेन (डायटा) 10 ईंव्ही की 400 मिलीलीटर मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

फलीय पौधों पर 5% प्रकोप तो बचाव करें



कपास अनुभाग के प्रभारी डा. करमल सिंह ने बताया कि चित्तीदार सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5 प्रतिशत मिलने पर एक छिड़काव 75 मिलीलीटर स्पाइनोसेड (ट्रैसर) 45 ईसरी की 150-175 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से करें। सफेद मक्की यदि ०-८ प्रैद प्रति पत्ता प्रत्यं हरा तेल 2 शिशु प्रति पत्ता मिलते हैं तो फ्लोनिकैमिड (उलाला) 50 डब्लूजी की 60 ग्राम मात्रा या पार्सीफोर्मिसेन (सैरीना) 50 जीएल की 400 मिली मात्रा की प्रति 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से एक छिड़काव करें। डा. अनिल जाल्हाड ने बताया कि सफेद मक्की का ज्यादा प्रकोप होने पर इसके प्रबंधन के लिए पार्सीफोर्मिसेन (डायटा) 10 ईंव्ही की 400 मिलीलीटर मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।